सत्र 2024-25

प्रवेश परीक्षा- आचार्य

आदर्श प्रश्नपत्र

विषय- पालि, पत्र- तृतीय

समय-1½ घंटे **अंक- 50**

निर्देश-

- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
- **प्रत्येक प्रश्न को ध्यान से पढ़ें और निर्देशों का पालन करें।**
- **सभी उत्तरों को प्रासंगिक प्रश्नों से मेल खाने के लिए सावधानीपूर्वक क्रमांकित किया जाना चाहिए।**

खण्ड- क

नोट: निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में दीजिए। **10x1=10**

१. महाभिनिष्क्रमण शब्द का अर्थ है -

२. धम्पद में वग्ग की संख्या है -

३. खुद्दक निकाय में ग्रंथों की संख्या है -

४. प्रथम पञ्चवर्गीय भिक्षुओं के नाम लिखिए।

५. प्रथम बौद्ध संगीति में सम्मिलित भिक्षुओं की संख्या है -

६. प्रथम बौद्ध संगीति किस राजा के शासन काल में हुई ?

७. द्वितीय बौद्ध संगीति के अध्यक्ष कौन थे ?

८. भगवान बुद्द को कितने वर्ष की अवस्था में ज्ञान प्राप्त हुआ था ?

९. चेतसिकों की संख्या है -

१०. अभिधम्मत्थसङ्गहो किसकी रचना है ?

खण्ड- ख

(अति लघूत्तरीय प्रश्न)

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5x2=10**

१. 'महापरिनिब्बानसुत्त' किस निकाय के अंतर्गत आता है ?

२. अभिधम्म पिटक के ग्रंथों के नाम लिखिए।

३. धम्मपद पुस्तक की प्रथम गाथा को पालि भाषा में लिखिए।

४. पालि शब्द की परिभाषा लिखिए।

५. 'सो खदित्वा पालिं पठितुं विज्जालयं गच्छति' इस वाक्य का हिन्दी अनुवाद कीजिए।

६. राजा मिलिन्द का ग्रीक नाम क्या है ?

७. सागल नगर वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है ?

खण्ड- ग

(लघूत्तरीय प्रश्न)

१. निम्नलिखित में से किन्हीं ३ विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **5x4=20**

क. त्रिपिटक।

ख. चेतसिक।

ग. कारक।

घ. सुत्तनिपात

ङ. मिलिन्दपञ्हो।

२. निम्नलिखित गाथाओं का हिन्दी अनुवाद कीजिए-

क. अप्पमादो अमतपदं, पमादो मच्चुनो पदं।
अप्पमत्ता न मीयन्ति, ये पमत्ता यथा मता॥

ख. पुत्ता मत्थि धनम्मत्थि, इति बालो विहञ्ञति।
अत्ता हि अत्तनो नत्थि, कुतो पुत्ता कुतो धनं॥

खण्ड- घ

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट: निम्नलिखित में से किसी 1 प्रश्न का उत्तर दीजिए। **1x10=10**

१. पालि भाषा एवं साहित्य पर एक परिचयात्मक निबन्ध लिखिए।

अथवा

जन्म से लेकर ज्ञान प्राप्ति तक बुद्ध की जीवनी लिखिए।

****